हिन्दी

(वसंत) (पाठ 5) (हजारी प्रसाद द्विवेदी - क्या निराश हुआ जाए)
(कक्षा 8)

आपके विचार से

प्रश्न 1:

लेखक ने स्वीकार किया है कि लोगों ने उन्हें भी धोखा दिया है फिर भी वह निराश नहीं है। आपके विचार से इस बात का क्या कारण हो सकता है?

उत्तर 1:

लेखक का यह स्वीकार करना कि लोगों ने उसे धोखा दिया है। यह उसकी पीड़ा को दर्शाता है। मगर फिर भी वह निराश नहीं है उसका मानना है कि समाज में अभी भी बहुत से लोग ऐसे हैं जो ईमानदार हैं। यदि वह अपने धोखे के बारे में समाज में बात करेगा तो वह उन लोगों का भी अपमान कर देगा जो ईमानदार हैं। उसे समाज में सुधार की उम्मीद है इसी कारण वह निराश नहीं है।

प्रश्न 2:

समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं और टेलीविजिन पर आपने ऐसी अनेक घटनाएँ देखी-सुनी होंगी जिनमें लोगों ने बिना किसी लालच के दूसरों की सहायता की हो या ईमानदारी से काम किया हो। ऐसे समाचार तथा लेख एकत्रित करें और कम-से-कम दो घटनाओं पर अपनी टिप्पणी लिखें।

उत्तर 2:

छात्र कक्षा में अध्यापक की सहायता से उपरोक्त कार्य को पूर्ण करेंगे।

प्रश्न 3:

लेखक ने अपने जीवन की दो घटनाओं में रेलवे के टिकट बाबू और बस कंडक्टर की अच्छाई और ईमानदारी की बात बताई है। आप भी अपने या अपने किसी परिचित के साथ हुई किसी घटना के बारे में बताइए जिसमें किसी ने बिना किसी स्वार्थ के भलाई, ईमानदारी और अच्छाई के कार्य किए हों।

उत्तर 3:

छात्र अपने अनुभव और योग्यता के आधार पर इस कार्य को पूर्ण करेंगे।

पर्दाफाश

प्रश्न 1:

दोषों का पर्दाफाश करना कब बुरा रूप ले सकता है?

उत्तर 1:

किसी का उपहास उड़ाने के लिए और केवल उसकी बुराइयों को ही उजागर करने के लिए दोषों का पर्दाफाश किया जाना बुरा रूप ले सकता है हमें यदि किसी के दोषों को उजागर करना है तो उसकी अच्छाइयों को भी उजागर करना चाहिए जिससे तुलनात्मक व्यवहार किया जा सके।

प्रश्न 2:

आजकल के बहुत से समाचार पत्र या समाचार चैनल 'दोषों का पर्दाफाश' कर रहे हैं। इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित विचार लिखिए?

उत्तर 2:

आजकल के लगभग सभी समाचार पत्र और न्यूज चैनल किसी न किसी पार्टी से प्रभावित दिखाई देते हैं। वे केवल अपनी पार्टी की भक्ति करते हैं उनके अनुरूप खबरें दिखाते हैं। वे केवल भटकाने का प्रयास करते हैं। सही खबर कभी नहीं दिखाते हैं । इस प्रकार के समाचारों और कार्यक्रमों की सार्थकता भी संदेहास्पद लगती है।

कारण बताइए

निम्नलिखित के संभावित परिणाम क्या-क्या हो सकते हैं? आपस में चर्चा कीजिए, जैसे- ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है। परिणाम-भ्रष्टाचार बढ़ेगा।

प्रश्न 1:

"सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है।" .....

उत्तर 1:

सही लोगों के प्रति अत्याचार बढ़ना।

प्रश्न 2:

झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। .....

उत्तर 2:

बेईमानी का फलना - फूलना।

प्रश्न 3:

हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम। .....

उत्तर 3:

भ्रष्टाचार का बढ़ना।

दो लेखक और बस यात्रा

प्रश्न:

आपने इस लेख में एक बस की यात्रा के बारे में पढ़ा। इससे पहले भी आप एक बस यात्र के बारे में पढ़ चुके हैं। यदि दोनों बस-यात्रओं के लेखक आपस में मिलते तो एक-दूसरे को कौन-कौन सी बातें बताते? अपनी कल्पना से उनकी बातचीत लिखिए।

उत्तर:

पहली वाली बस यात्रा जिसका शीर्षक 'बस की यात्रा' के लेखक हरिशंकर परिसाई हैं तथा दूसरी बस यात्रा जिसका शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' के लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी हैं। दोनों लेखक मिलने पर इस प्रकार की बातचीत करते:

हरिशंकर परसाई: द्विवेदी जी नमस्कार! आपके के क्या हालचाल हैं।

द्विवेदी जी: परसाई जी नमस्कार मैं बिलकुल ठीक हूँ, क्या आप कुशल हैं।

परसाई: आप अपनी बस यात्रा से सम्बंधित कुछ संस्मरण सुनाएँ।

द्विवेदीजी: मेरी बस यात्रा वैसे तो डरावनी थी क्योंकि मैं परिवार सहित इसमें सफ़र कर रहा था। रात्री के समय बस सुनसान जगह पर ख़राब होकर रुक गयी। सहयात्रियों का कथन था कि इधर डकैती की बहुत घटनाएं होती हैं शायद ड्राईवर और कंडक्टर की उनके साथ कोई मिलीभगत है और ये लोग जानबूझकर बस ख़राब होने का नाटक कर रहें हैं। ऊपर से मेरे बच्चे भूख और प्यास के मारे परेशान कर रहे थे। लेकिन यात्रा का अंत सुखद रहा क्योंकि कंडक्टर डिपो से दूसरी बस ले आया था।

परसाई: द्विवेदी जी! हमारी बस यात्रा तो हास्य, रोमांच और जोखिमपूर्ण थी। बस एकदम पुरानी और खटारा, जिसका कुछ भी सही सलामत नहीं था। बस कई जगह ख़राब हुई। ऐसा लगता था कि शायद ही गंतव्य तक पहुँचा पायेगी। लेकिन हमने भी हिम्मत नहीं हारी, अंत तक सफ़र जारे रखा।

सार्थक शीर्षक

प्रश्न 1:

लेखक ने लेख का शीर्षक 'क्या निराश हुआ जाए' क्यों रखा होगा? क्या आप इससे भी बेहतर शीर्षक सुझा सकते हैं?

उत्तर 1:

मेरे अनुसार इस लेख का शीर्षक 'निराशा में आशा की किरण' हो सकता है।

प्रश्न 2:

यदि 'क्या निराश हुआ जाए' के बाद कोई विराम चिह्न लगाने के लिए कहा जाए तो आप दिए गए चिह्नों में से कौन-सा चिह्न लगाएँगे? अपने चुनाव का कारण भी बताइए। - , । - ! ? - _ -, ---- ।

"आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर 2:

यदि 'क्या निराश हुआ जाए' के बाद कोई विराम चिह्न लगाना है तो ? (प्रश्नवाचक चिह्न) प्रयोग करेंगे। क्योंकि इसमें समाज से प्रश्न किया जा रहा है।

"आदर्शों की बातें करना तो बहुत आसान है पर उन पर चलना बहुत कठिन है।" मैं इस बात से सहमत हूँ क्योंकि आदर्शों पर चलना एक अत्यंत कठिन कार्य है जो हर किसी के वश की बात नहीं है।

सपनों का भारत

"हमारे महान मनीषियों के सपनों का भारत है और रहेगा।"

प्रश्न 1:

आपके विचार से हमारे महान विद्वानों ने किस तरह के भारत के सपने देखे थे? लिखिए।

उत्तर 1:

हमारे महान विद्वानों ने एक धर्म परायण, समृद्ध, उज्जवल और शक्तिशाली भारत का सपना देखा था।

प्रश्न 2:

आपके सपनों का भारत कैसा होना चाहिए? लिखिए।

उत्तर 2:

मेरे सपनों का भारत ऐसा होना चाहिए जहाँ समानता, सबके लिए समान शिक्षा, सबके लिए सुलभ एवं सस्ता स्वास्थ्य, हरएक मामले में आत्मनिर्भर और शक्तिशाली जिसको कोई भी दूसरा देश आँख न दिखा सके।

भाषा की बात

प्रश्न 1:

दो शब्दों के मिलने से समास बनता है। समास का एक प्रकार है-द्वंद्व समास। इसमें दोनों शब्द प्रधान होते हैं। जब दोनों भाग प्रधान होंगे तो एक-दूसरे में द्वंद्व (स्पर्धा, होड़) की संभावना होती है। कोई किसी से पीछे रहना नहीं चाहता, जैसे-चरम और परम = चरम-परम, भीरु और बेबस = भीरु-बेबस। दिन और रात = दिन-रात।

'और' के साथ आए शब्दों के जोड़े को 'और' हटाकर (-) योजक चिह्न भी लगाया जाता है। कभी-कभी एक साथ भी लिखा जाता है। द्वंद्व समास के बारह उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

उत्तर 1:

द्वंद्व समास के उदाहरण

योजक शब्द के साथ	बिना योजक शब्द के
राम और लक्ष्मण	राम-लक्ष्मण
अन्न और जल	अन्न-जल
धन और दौलत	धन-दौलत
मान और सम्मान	मान-सम्मान
आज और कल	आज-कल
दिन और रात	दिन-रात
अच्छा और बुरा	अच्छा-बुरा
अमीर और गरीब	अमीर-गरीब
चाँद और सूरज	चाँद-सूरज
खाना और पीना	खाना-पीना
हाथ और पैर	हाथ-पैर
कृष्ण और बलराम	कृष्ण-बलराम

प्रश्न 2:

पाठ से तीनों प्रकार की संज्ञाओं के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर 2:

वयाक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
भारतवर्ष	देश	सुख
तिलक	आदमी	दोष
गाँधी	आर्य	अच्छा
रवीन्द्रनाथ	द्रविड़	गुण
मालवीय	हिन्दू	सूख
मुसलमान	ड्राईवर	ईमानदारी

पाठ में से कुछ शब्द छांटकर लिखें हैं छात्र और अधिक शब्द छांटकर लिख सकते हैं।